

**POST GRADUATE CERTIFICATE IN  
ADULT EDUCATION/POST  
GRADUATE DIPLOMA IN ADULT  
EDUCATION/MASTER OF ARTS IN  
ADULT EDUCATION/MASTER OF  
ARTS IN EDUCATION  
(PGCAE/PGDAE/MAAE/MAEDU)**

**Term-End Examination**

**June, 2023**

**MAE-002 : POLICY PLANNING AND  
IMPLEMENTATION OF ADULT  
EDUCATION IN INDIA**

*Time : 3 Hours*

*Maximum Weightage : 70%*

---

**Note :** (i) *All four questions are compulsory.*

(ii) *All questions carry equal weightage.*

---

---

1. Answer the following question in about **600** words :

- (a) Discuss the origin and growth of 'Resource Support Structures' for adult education.

*Or*

(b) Explain the role of Non-Government Organisations (NGOs) in implementing 'Adult and Continuing Education Programmes in India'.

2. Answer the following question in about **600** words :

(a) What do you understand by 'Role Play' as a method of training ? Describe the advantages and disadvantages of using role play method in adult education.

*Or*

(b) Discuss the roles and functions of adult educators.

3. Write short notes on any *four* of the following in about **150** words each :

(a) Participatory Research Process

(b) Training methodology for 'skill based learning session'

(c) Management structure of 'National Literary Mission' (NLM)

(d) Revised scheme of continuing education

(e) Open and Distance Learning (ODL) approach for continuing education

(f) State Literary Mission Authority (SLMA)

4. Answer the following question in about **600** words :

Do you think that the adult educator can bridge the information gap among neo-literate and semi-literate readers in rural areas ? Discuss the expected role of adult educators in bridging the information gap with suitable examples.

**MAE-002**

प्रौढ़ शिक्षा में परास्नातक प्रमाण-पत्र/प्रौढ़ शिक्षा  
में परास्नातक डिप्लोमा/प्रौढ़ शिक्षा में  
परास्नातक/शिक्षा में परास्नातक  
( पी. जी. सी. ए. ई./पी. जी. डी. ए. ई./  
एम. ए. ए. ई./एम. ए. ई. डी. यू. )  
सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.ए.ई.-002 : भारत में प्रौढ़ शिक्षा की नीति योजना  
एवं कार्यान्वयन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

---

**नोट :** (i) सभी चारों प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

---

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

(क) प्रौढ़ शिक्षा के लिए संसाधन सहायता ढाँचों (रिसोर्स सपोर्ट स्ट्रक्चर्स) के उद्भव एवं संवृद्धि की परिचर्चा कीजिए।

### अथवा

(ख) भारत में प्रौढ़ एवं सतत् शिक्षा कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओज) की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

(क) प्रशिक्षण की एक विधि के रूप में 'भूमिका अदा करने' (रोल प्ले) से आप क्या समझते हैं ? प्रौढ़ शिक्षा में 'भूमिका अदा करने' की विधि के प्रयोग करने के लाभों एवं हानियों का वर्णन कीजिए।

### अथवा

(ख) प्रौढ़ शिक्षा की भूमिकाओं एवं प्रकार्यों की परिचर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) सहभागी अनुसंधान प्रक्रिया (पार्टीसिपेटरी रिसर्च प्रोसेस)

(ख) 'कौशल आधारित अधिगम सत्र' के लिए प्रशिक्षण प्रविधि

(ग) 'राष्ट्रीय साक्षरता मिशन' (एन. एल. एम.) का प्रबन्धन ढाँचा/संरचना

(घ) सतत् शिक्षा की संशोधित योजना

(ङ) सतत् शिक्षा के लिए मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम

(ओ. डी. एल.) उपागम

(च) राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण

(एस. एल. एम. ए.)

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

क्या आप यह सोचते हैं कि प्रौढ़ शिक्षक ग्रामीण क्षेत्रों में नव साक्षर और अर्ध-साक्षर पाठकों के मध्य सूचना अन्तराल के सेतु का कार्य कर सकता है? सूचना अन्तराल के सेतु बन्धन में प्रौढ़ शिक्षकों की अपेक्षित भूमिका पर उपयुक्त उदाहरणों द्वारा परिचर्चा कीजिए।